माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड | 1 | 2 | 0 | परीक्षा का विषय भूगोल

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 06-03-2009

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें कोड U-2033-D सेट D

परीक्षा के नाम की सील हायर सेकेण्डरी 2009

केन्द्र क्रमांक की सील

2[illegible]1024

... निशान से मिलाकर लगायें

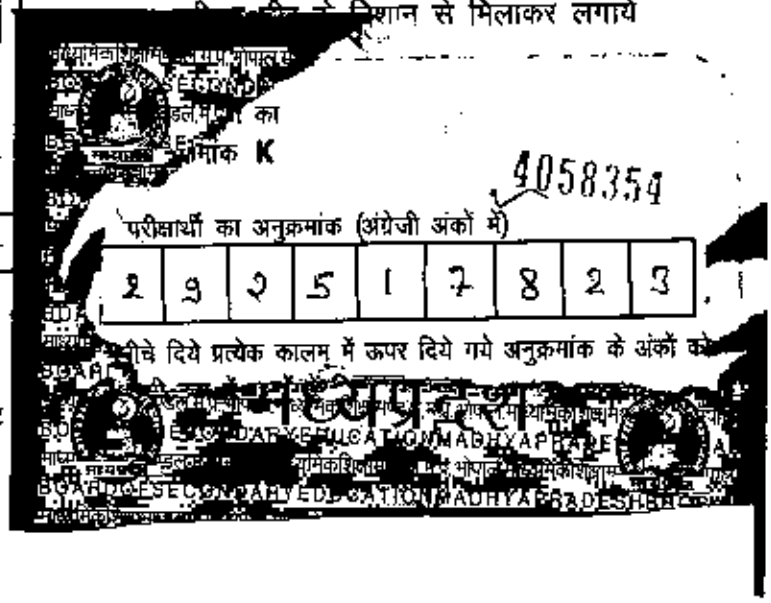

माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल

हायर सेकेण्डरी

क्रमांक K 4058354

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	5	1	7	8	2	3

नीचे दिये प्रत्येक कालम् में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को ...

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 7 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

B हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) [signature]

S नाम महेन्द्र कुमार गौतमचंद सोलंकि

E पता/संस्था माo भड़ियादी

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

M

P हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुरि... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन दि... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक र...

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य...

परीक्षक क्रमांक 917-5036 दिनांक........................

दिनांक........................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न-1 का उत्तर :-

(1) आर्यभट्ट 1984 एप्पल

(2) टेलीविजन

(3) भोजन

(4) शक्कर उद्योग

(5) गन्ना

प्रश्न-2 का उत्तर :-

(1) पैट्रोलियम

(2) साबरमती

(3) मुम्बई

(4) लावा युक्त काली मिट्टी

(5) सेतु

BSEMP

पृष्ठ

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ का अंक   कुल अंक

प्रश्न- 3 का उत्तर

(1) पश्चिम बंगाल

(2) सावर

(3) मेगनीज

(4) खरीफ

(5) लौह और कोयले

प्रश्न - 4 का उत्तर :-

'अ'	'ब'
(1) उन्योपोद्योगिकी	रेटजेल
(2) नाभिकीय अभिमान	नौबुला
(3) सबसे लम्बी गैस पाईप लाइन	हाजीपुर बजीरा से जगदीशपुर
(4) सिन्धु-घाटी	हड़प्पा सभ्यता
(5) केनेडियन पैसेफिक रेलवे	कनाडा

R I M P

प्रश्न - 5 का उत्तर

(1) ग्रामीण - बस्तियो मे मकान खुले हुये तथा बिखरे हुये होते है।

(2) ग्रामीण बस्तियो मे गलीयाँ टेडी - मेडी तथा मकान घास-फूस मिट्टी से बने हुये होते है।

(3) ग्रामीण बस्तियो मे ग्रामीणो की आजीविका का प्रमुख साधन कृषि कार्य होता है।

(4) ग्रामीण बस्तियो मे प्रदूषण की कोई समस्या नही होती है। इनमे परस्पर सहयोग और औपचारिक सम्बंधो की प्रमुखता पायी जाती है।

प्रश्न - 6 का उत्तर :-

महत्व :- रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन अधिक महत्वपूर्ण होता है। सड़क परिवहन से छोटे - छोटे गाँव तक पहुचा जा सकता है। तथा रेलमार्ग को बनाने मे अधिक धन की आवश्यकता और अन्य दशाओ का भी ध्यान रखना आवश्यक होता है। वही सड़क परिवहन मे कम व्यय और अधिक सुविधा होती है।

(1) सड़क मार्ग से ही जिन प्रदेशो मे रेल मार्ग बनाना दुर्लभ होता है। इन्ही के माध्यम से पहुचा जाता है। तथा माल को पहुचाया जाता है।

(2) सड़क परिवहन से ही देश तक माल-यात्री ढोये जाते है।

(3) सड़को से ही शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओ को शीघ्रातिशीघ्र उपभोक्ता केन्द्र तक पहुचाया जाता है।

(4) रेल परिवहन मे जहाँ माल को चढ़ाने-उतारने मे उसकी टूट-फुट होती है। वही सड़क परिवहन से सीधे वही तक पहुचा दिया जाता है। कम टुट-फुट होती है।

प्रश्न 7 का उत्तर :-

जनसंख्या वृद्धि के कारण
(1) जन्मदर
(2) मृत्यु दर
(3) प्रवास
(4) जीवन प्रत्याशा
(5) निम्न जीवन स्तर
(6) अशिक्षा

जन्मदर - भारत मे जन्मदर बढ़ने से तथा मृत्यु दर मे कमी होने से जहाँ 1911 मे जन्मदर 50 प्रति व्यक्ति थी वही आज जन्म दर 25 प्रति व्यक्ति हजार से है।

मृत्युदर - भारत मे 1911 मे मृत्यु दर सबसे अधिक थी 43 प्रतिहजार वही आज 8.2 प्रतिहजार है।

BSEM

(3) प्रवास - गत वर्षों मे प्रवास लगातार बढता जा रहा है। जिस कारण जनसंख्या बढती जा रही है। गाँवो से नगरो की ओर प्रवास सबसे बडी समस्या है।

(4) जीवन प्रत्याशा - स्वास्थ्य सुविधा भोजन, शिक्षा और अन्य सुविधा मे चिकित्सा सुविधा मे वृद्धि बढने से मृत्युदर कम हो गयी और जीवन प्रत्याशा बढ गयी।
1911 मे 20 वर्ष जीवन प्रत्याशा थी वही आज 62 वर्ष हो गयी है।

(5) अशिक्षा- निम्न जीवन स्तर - अशिक्षा के कारण ग्रामीण जनसंख्या परिवार नियोजन कार्यक्रम को अपनाने मे संकोच और बुरा समझती है। जिससे ग्रामीण जन संख्या लगातार बढ रही है। उनमे सोचने समझने की क्षमता का कम होना इसका प्रमुख कारण है।
निम्न जीवन स्तर भी लोगो मे जनसंख्या वृद्धि का कारण बनता है।
निम्न जीवन स्तर के कारण लोगो को उच्च स्वास्थ्य सुविधा भोजन, शिक्षा आदि की कमी से इनमे कोई जागरूकता पैदा नही होती है। तथा आगे चलकर यह भी अधिक जनसंख्या या बच्चो को अच्छा समझते है।

इन सभी कारणो के अतिरिक्त अन्य कारण भी जन संख्या वृद्धि के कारण है। बाल विवाह, विवाह को अनिवार्य मानना आदि।

BSEB

ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
(1) ग्रामीण बस्तियाँ गाँवों मे पायी जाती है।	(1) नगरीय बस्तियाँ कस्बा, नगरमाला पुरवा आदि मे पायी जाती है।
(2) ग्रामीण बस्तियों में घर बिखरे हुये बने होते है।	(2) नगरीय बस्तियाँ मे घर सुनियोजित तरीके से बने होते है।
(3) ग्रामीण बस्तियाँ अव्यवस्थित होती है।	(3) नगरो मे बस्तियाँ व्यवस्थित होती है।
(4) ग्रामीण बस्तियो मे प्रदूषण की कोई समस्या नहीं होती है।	(4) नगरीये बस्तियो मे प्रदूषण की सबसे बड़ी समस्या होती है।
(5) ग्रामीण बस्तियो मे लोग प्राथमिक व्यवसायो मे लगे होते है।	(5) नगरीय बस्तियो मे लोग द्वितीयक तृतीय अन्य व्यवसायो मे लगे होते है।
(6) इनमे भूमि की कोई कमी नहीं होती मकान एक-एक बने होते है।	(6) नगरो मे भूमि की कमी के कारण मकान प्राय बहुमंजिलीय पाये जाते है।

प्रश्न - 23 उत्तर :-

इन्टरनेट-उपयोग - सामान्यत इन्टरनेट का ज्ञान प्रसार-प्रसार करने मे महत्वपूर्ण स्थान है। इन्टरनेट द्वारा सभी प्रकार की सूचनाये तथा अन्य जानकारीयाँ भी प्राप्त की जा सकती है।

इन्टरनेट आधुनिक युग मे ज्ञान के विस्तार मे क्रान्ति ला दी है।
इन्टरनेट कम्प्यूटर की वह युक्ती या उपकरण है जिसके माध्यम से सभी जानकारियो को शीघ्रातिशीघ्र भेजा जा सकता है। या प्राप्त किया जा सकता है।

आज-कल व्यवसायिक क्रियाकलापो मे इसका सबसे अधिक महत्व बढ़ता जा रहा है।

तथा विश्वव्यापी वेब से सभी क्षेत्रो से सूचनाये ग्रहण करके अन्य जगह इनका प्रसारण करने मे इसका महत्व बढ़ता जा रहा है।

व्यावसायिक क्रियाओ मे इसका स्थान उत्पादन के साथ चौथा स्थान बन गया है।

इसने समस्त संसार को समाहित करने मे कोई कसर नही छोड़ी और विश्व को आज एक घर बना दिया है।

प्रश्न-10 का उत्तर :-

~~परिचय~~ महत्व - जल प्रदुषण से आज अनेक बीमारियाँ पीलिया टाइफाइड अनेक बीमारियो मे वृद्धि हो रही है।
जिस कारण मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।
लेकिन इसको दुषित करने का श्रेय भी मानव को ही जायेगा इसने जल को बर्बाद करने का कोई तरीका नही छोड़ा या कोई कसर नही छोड़ी।

अतः मानव ने अपने भावी भविष्य की चिंता किये बिना इसका अनेक रूपो मे दुरुपयोग किया।

(1) बस्तियां का कूड़ा-करकट आदि बहाकर

(2) रंग रसायनिको का उपयोग कर जल में छोड़ दे कर

(3) जले और अध जले लाशो को जल मे बहाकर

(4) मलिन बस्तियो का सभी कूड़ा-करकट बहकर नदीयो मे आना इसकी उचित व्यवस्था न होना।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण यमुना नदी का गंदा होना जो औद्योगिकरण करण के कारण इतनी गंदी होचुकी है कि इसका अन्य कार्यो मे भी उपयोग नही किया जा सकता है।

प्रश्न-11 का उत्तर:-

ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या मे अंतर

ग्रामीण	नगरीय
(1) 1911 मे 94.2	(1) 2%
(2) 1921 मे 85%	(2) 13%
(3) 1951 मे 80%	(3) 22%
(4) 1954 मे 75%	(4) 45%
(5) 1992 मे 72%	(5) 47%

प्रश्न- 13 U-2033-D सेट-D

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The External Boundary of India shown on this map agrees with Record/Master copy certified by the Survey of India, Dehra Dun, vide their letter No. T.B 656 /62-A-3/213 dated : 25-3-94

प्रश्न- 13 का उत्तर

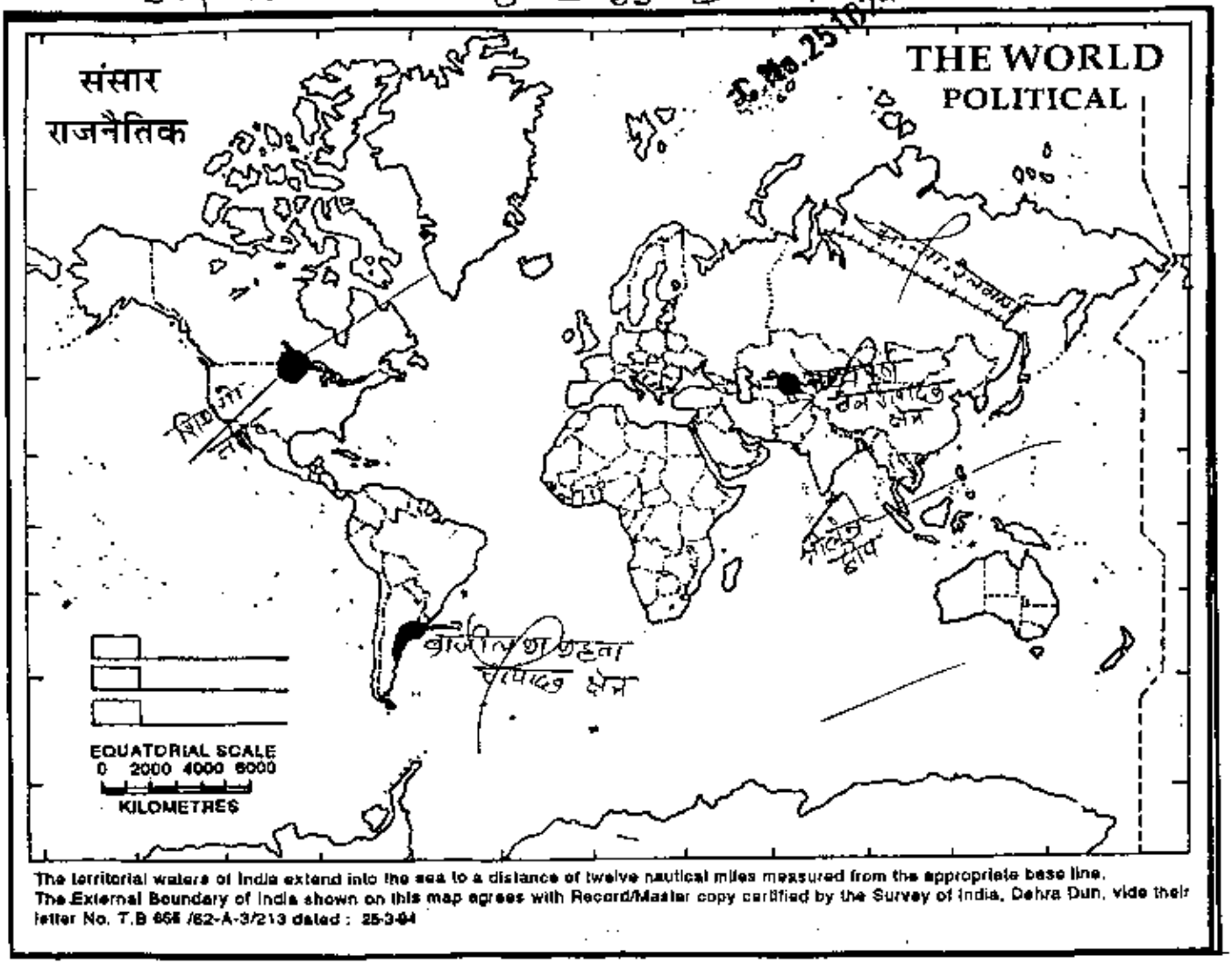

(6) 1997 मे 70%	54%
(7) 2000 मे 72%	86%
(8) 2002 मे 65%	28%
(9) 2007 मे 50%	50%

ग्रामीण जनसंख्या → ग्रामीण जनसंख्या सामान्यतः प्राथमिक कार्यों मे कृषि, खनन, पशुचारण, पशुपालन मे लगी होती है।

(2) ग्रामीण जनसंख्या मे औपचारिक सम्बंधो की प्रधानता और सहयोग परस्पर सद्भावना का भाव पाया जाता है।

(3) ग्रामीण जनसंख्या मे रूढ़िवादिता और मान्यता का प्रभाव अधिक पाया जाता है।

(4) ग्रामीण जनसंख्या मे एक नगरीय बस्ती और परिवार के सदस्य आपसी प्रेम से बंधे होते है। गतिशीलता वर्जित होती है।

नगरीय जनसंख्या में व्यक्ति द्वितीयक, तृतीयक व अन्य गौण व्यवसायो मे लगे होते हैं।

(2) नगरीय जनसंख्या मे व्यक्तियो मे औपचारिक संबंधो की प्रधानता रहती है।

(3) नगरीय जनसंख्या मे प्रदर्शनवाद व उपभोक्तावाद की

प्रधानता पायी जाती

(4) नगरीय जनसंख्या मे सम्बंध स्वार्थ और व्यक्तिवादिता पर आधारित होते है।

प्रश्न- 18 का उत्तर

सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण के कारण

महाराष्ट्र मे सूती वस्त्र उद्योग बहुलता मे पाये जाते है। यहाँ 110 मिलो मे से 107 कारखाने स्थापित है। तथा यहाँ विश्व की आधे से अधिक जनसंख्या की वस्त्र पूर्ति की क्षमता विद्यमान है।
तथा यह भारत की 30% वस्त्र तथा 32% रुई की पूर्ति करता है तथा अन्य कारखानो को कच्चा माल का निर्यात करता है और उनके मालपूर्ति करता है।
यहाँ वस्त्र उद्योग के साथ-साथ अनेक उद्योग भी स्थापित किये गये है।
लेकिन इसका स्थानीयकरण का मुख्य कारण सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना है। जिस कारण अन्य उद्योग के उद्योगपति उद्योग स्थापित करने के लिए आकर्षक हुये और इनका स्थापित किया
यहाँ भारत का सबसे बड़ा बन्दरगाह है। तथा महाराष्ट्रराज्य की राजधानी भी है। तथा औद्योगिक और व्यापारिक केन्द्र बनी हुई है।

BSEMP

चावल भारत मे

चावल-परिचय - चावल खाद्यान्न फसलो में सबसे महत्वपुर्ण फसल है। चावल एक पोष्टिक और सुपाच्य खाद्यान्न है।

भारत मे चावल उपयोग खाद्यान्न मे ही नही अपितु हमारी संस्कृति मे भी चावल का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार चीन की तरह भारत भी चावल संस्कृति का देश बन गया है।

चावल की उपज के लिए निम्नांकित दशाओ की आवश्यकता होती है।

चावल उष्ण-कटिबंधीय पौधा है। सामान्यतः इसकी उपज को निम्न दशाये।

तापमान :- चावल अधिक तापमान वाला पौधा है इसकी खेती के लिए तापमान का 20° से 27° का तापमान आवश्यक होता इससे कम तापमान वाले भागो मे इसकी खेती की जा सकती है।

(18)

वर्षा :- चावल के पौधो को अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। इसमे जितनी अधिक वर्षा होती है पौधे का लाभप्रद रहती है। चावल का पौधा वर्षा के कारण ही अधिक अनाज

यहाँ रेल उद्योग मशीन उद्योग, पटसन उद्योग, रासायनिक उद्योग, आदि उद्योग स्थापित हैं।
इनके स्थापन के कारण।

(1) यहाँ सड़कों-रेलो मार्गों का जाल बिछा हुआ है। जो परिवहन में अधिक सहायक है।

(2) मुम्बई नगर एक व्यावसायिक नगर है। जिस कारण यहाँ पूँजी बैंकिंग आदि की पर्याप्त सुविधा है।

(3) निकटतम बंदरगाह की वजह से आयात-निर्यात में सहायक।

(4) निकटतम बाजार की व्यवस्था तथा उपभोक्ता वस्तुओं की माँग

(5) निकटतम शक्ति संसाधनों की आवश्यकता जल विद्युत या अन्य शक्ति साधन की सुविधा के कारण
निकटतम कच्चे माल की उपलब्धता की सुविधा होना।
सस्ते श्रमिकों की बहुलता तथा उच्च तकनीक ज्ञान की जानकारी होना।

अन्य सूती वस्त्र उद्योग
मुम्बई की स्थिति :-

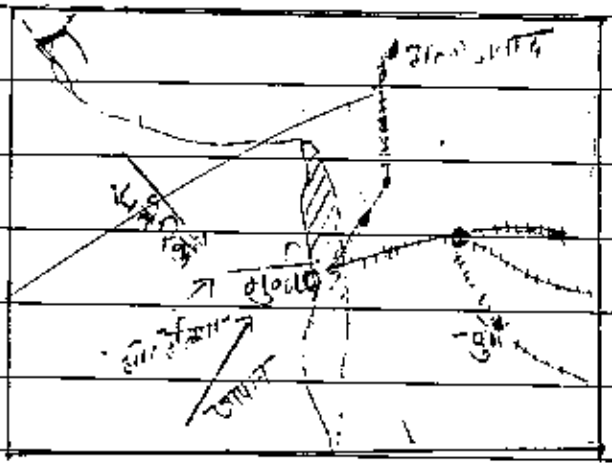

चित्र मुम्बई

होता है। सामान्यतः चावल में 150 सेन्टीमीटर से 200 सेन्टी-
मीटर वर्षा की आवश्यकता होती है।
Rance and fall Race Rinefall

मिट्टी :- चावल के पौधे को लाल लेटराइट मिट्टी अधिक आवश्यक होती है। तथा इसमें अधिक जीवांश की आवश्यकता और चूना-पोटाश की मात्रा होनी चाहिए।

भूमि :- चावल की खेती समतल और मराठ भूमि में की जाती है क्योंकि इसमें पौधे को पानी की आवश्यकता होती है और इसमें पानी भरा रहना चाहिए। इसकारण समतल भूमि आवश्यक होती है।

सस्ते-श्रमिक :- चावल की खेती के लिए अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है। क्योंकि इसमें पानी को निकालने और पौधे को रोपने के लिए अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है।
इस कारण इसकी खेती अधिक जनसंख्या वाले भागों में की जाती है।

BSEM

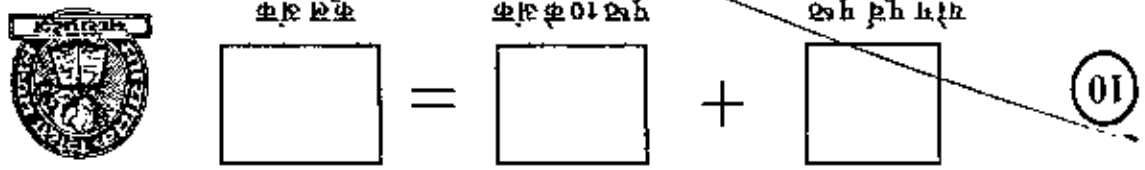

(1) (चीन, जापान, भारत, बंगलादेश, इण्डोनेशीया)
भारत - पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, उत्तर-प्रदेश, तमिलनाडु - छत्तीसगढ़
झारखण्ड उडिसा, आदि।

(1) पश्चिम बंगाल :- भारत में चावल उत्पादक देशो में पश्चिम बंगाल का प्रधान स्थान है। यहाँ उपज की अनुकूल दशाये पायी जाती है।

(2) कर्नाटक :- दक्षिण भारत मे भी चावल की खेती की जाती है। समुद्रतट निकटतम होने के कारण अनुकूल जलवायु और पर्याप्त वर्षा की अधिकता से चावल की खेती का उत्पादन किया जाता है।

(3) उडिसा :- उडिसा मे पुरी और अन्य राज्यो मे चावल की खेती विशेष रूप से की जाती है। तथा वर्षा की पर्याप्तता है।

(4) छत्तीसगढ़ :- नवगठित राज्य छत्तीसगढ़ मे भी चावल फसल उत्पादन किया जाता है। यहाँ सरगुजा, लखेश्वर, जांजा आदि क्षेत्रो मे चावल उत्पादन किया जाता है।

इसके निम्नांकित उद्देश्य है।

(1) विदेशी व्यापार का सन्तुलन बनाना।

(2) विदेशी देशो से व्यापार को बढाना।

(3) पाकिस्तान को निर्यात वस्तुओं का सन्तुलन स्थापित करना।

(4) कांडला बंदरगाह से विदेशो की दूरी को कम करना

(5) कांडला बंदरगाह से मुंबई बंदरगाह की पूर्ति करना।

कांडला

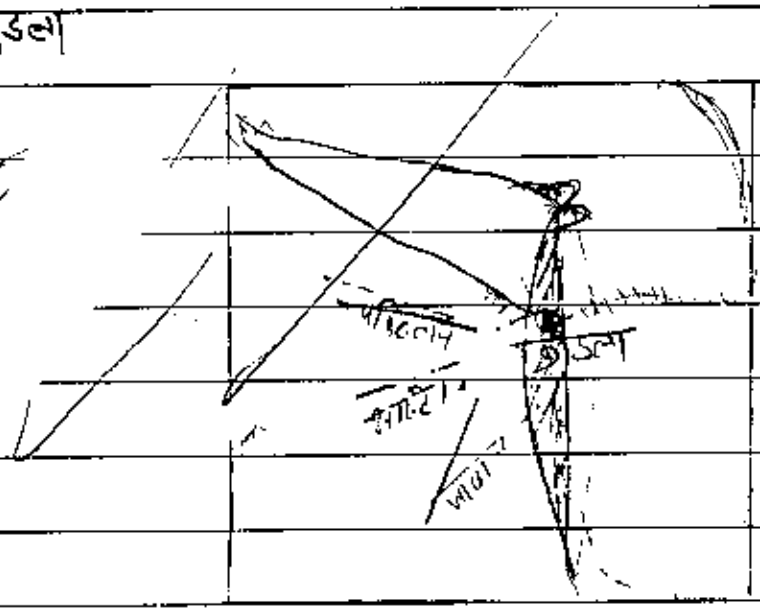

(कांडला बंदरगाह)

BSEM

कांडला बंदरगाह :-

कांडला बंदरगाह ज्वारीय बंदरगाह है। देश के विभाजन के फलस्वरूप करांची बंदरगाह की पूर्ति के लिए इसका निर्माण किया गया तथा यह मुम्बई के पृष्ठ प्रदेश में तथा गुजरात, मध्यप्रदेश राजस्थान और अन्य राज्य इसके पृष्ठ प्रदेश में आते हैं। इसका पृष्ठ प्रदेश उपजाऊ तथा संसाधनों में अधिक धनी है। लेकिन कांडला बंदरगाह से आयात-निर्यात व्यापार को बड़ा सहयोग मिला है।

कांडला बंदरगाह से अन्य देशों को भारत वस्तुओं का निर्यात और आयात करता है। इससे आस्ट्रेलिया अमेरिका आदि देशों को ऊन, मांस, चमड़ा, चाय, चावल, चीनी, तथा अन्य हस्तकला की वस्तुये का निर्यात करता है। और इन सभी देशों से भारत को अन्य वस्तुये जैसे, पूँजीगत समान खाद्यपदार्थ, कागज, मशीनरी का समान तथा अन्य वस्तुओं का आयात किया जाता है।

यह बंदरगाह करांची बंदरगाह पर पड़ने वाले भार को कम करने के उदेश्य से ही निर्मित किया गया।

इससे करांची बंदरगाह पर व्यापार का दबाव कम बने और व्यापार का सन्तुलन बना रहे।

(२) अनियतवाहि या अनित्यवाही नहर :-

अनियतवाहि नहरों में पानी वर्षाकाल के समय ही बना रहता है।
तथा इसमें वर्षा में नदी में पानी के प्रवाह को कम करने के उद्देश्य से ही बनायी जाती है।
इस प्रकार इससे सिंचाई अधिक समय तक नहीं की जाती बल्कि वर्षा काल तक ही यह नहरें सिंचाई के लिए उपयुक्त होती है।

दक्षिण भारत में पठारी पठारी भाग होने के कारण नहरें निकलना आसान नहीं होता है

तथा केवल उत्तर भारत में ही नहरों द्वारा सिंचाई की जाती है।
नहरें कृषि विकास में आवश्यक होती है।
अनित्यवाहि नहरों द्वारा बाढ़ नदियों में आने से रोकी जा सकती है।
इन नहरों से जल को नियंत्रित कर पानी को कम किया जाता है साथ- साथ यह सिंचाई में भी उपयोगी भूमिका निभाती है।
नहरों द्वारा सिंचाई करना प्राचीनतम साधन है।
यह उन भागों में अधिक उपयोगी होती है।
जहाँ वर्षा की मात्रा अधिक होती है।
तथा काफी समय तक इनमें पानी बना रहता है।

प्रश्न- 10 (ब)

~~भारत में द्वारा~~ भारत में नहरों द्वारा सिंचाई।

महत्व :- भारत में नहरों द्वारा सिंचाई उत्तर में अधिकांश की जाती है। कोई सब नहरें निकलना आसान होता है। तथा नदी ही नहरें निकलती है। यहाँ पर नहरों से कृषि में सिंचाई करना आदि प्राचीन समय से की जाती रही है।

नहरें दो प्रकार की होती है।

(1) नित्यवाही नहरें

(2) अनित्य वाही नहरे।

(1) नित्यवाही नहरे :- नित्यवाही नहरों में सिंचाई नियमित रूप से की जाती है इनमे सदा पानी बना रहता है।

और तथा नदीयो से जोड़ कर पानी बनाये रखने का प्रयास किया जाता है।

इस प्रकार इनमें सिंचाई करना आसान होता है।

तथा इनसे कृषि भूमि की नमी बनाये रखना हमेशा सरल रहता है।

इसप्रकार नित्यवाही नहरे पानी सदैव बनाये रखती है। और कृषि कार्य मे पानी की पूर्ति को बनाये रखती है।

BSEM

(21) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 21 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

22

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

(24)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग